

झुंझन वाली का लाड लड़ावन आया हां

झुंझन वाली का लाड लड़ावन आया हां,
मुकलावा दादी जी थारो में भी लाया हा,

जयपुर की मैं चुनड़ी लाया मुंबई की मैं मुंदरी लायो,
रोली मोली बिछियां पायल मेहँदी का मैं थाल सजाइयो,
सदियों पुरानी रीत मैं निभावन आया हा,
मुकलावा दादी जी थारो में भी लाया हा,

जो भी मुकवालो लावे है दादी जी के घर जावे है,
बेटा बेटा पोता पोती सेह का व्याह या करवावे है,
कुल देवी से प्यार बढ़ावन आया है,
मुकलावा दादी जी थारो में भी लाया हा,

हाथो में लेकर मुकलावा नाचता कूदता सेवक आया,
नारानी ने लेवा खातिर तन धन जी ने साथ लाया,
जग सेठानी ने म्हे ले जावन आया हां,
मुकलावा दादी जी थारो में भी लाया हा,

मुकलावे को इक बहानो दादी जी थाने है रिजानो,
श्याम पे इतनी किरपा कीजिये चरना माहि दे जो ठिकानों,
छिपा जो मन में भाव वो दिखावेँ आया हा
मुकलावा दादी जी थारो में भी लाया हा,

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/12305/title/jhunghan-vali-ka-laag-lagaavan-aaya-haa>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |